

17/14 Annex 1



HUNDRED RUPEES

INDIA NON JUDICIAL



न्यास विलेख पत्र (ट्रस्ट डीड)

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

BX 12562

02 APR

रमाउदय  
मुद्रकोट  
खुशी

प्रस्तुत न्यास विलेख पत्र दिनांक 26.04.2014 को मैं श्रीमती अनीता यादव पत्नी श्री सम अशीष यादव निवासिनी- मकान संख्या-2/343, वास्तु खण्ड गोमती नगर, लखनऊ द्वारा निर्मित किया गया है।

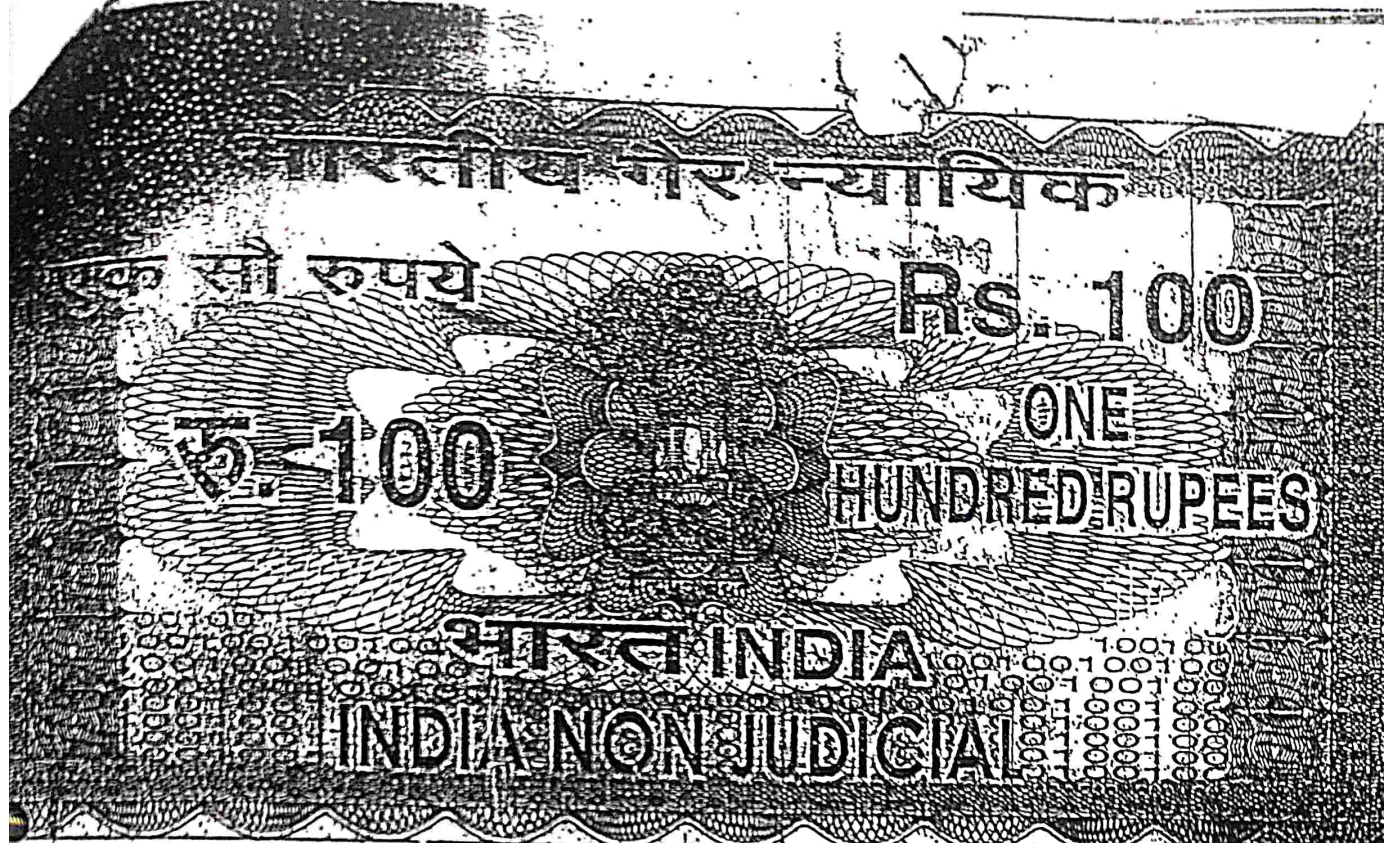
विदित हो कि मैं श्रीमती अनीता यादव जगहियत के उद्देश्य से अपनी इच्छा से तथा सभी के सहयोग की अपेक्षा के साथ एक जनन्यास का गठन करना चाहती हूँ जिसका तथ्य निम्नलिखित है -

इस विलेख के गवाहान

- 1- मैं श्रीमती अनीता यादव एतद्वारा यह घोषणा करती हूँ कि मैं सत्य निष्ठा एवं स्वविवेक से रुपया 11,000/- (ग्यारह हजार रुपया) देकर उन लोगों को जो मुझसे पूर्णरूप से सम्बन्धित नहीं है और जिनको न्यासी या न्यासीगण की हैसियत से नियुक्त किया गया है और न्यासीगण द्वारा उसी प्रकार के उद्देश्य हेतु उक्त धनराशि मुबलिग 11,000/- (ग्यारह हजार रुपया) प्राप्त किया गया है। जिनको उल्लिखित किया गया है।
- 2- अ. मैं श्रीमती अनीता यादव निवासिनी- मकान संख्या-2/343,

अनीता यादव





र प्रदेश UTTAR PRADESH

मल. Box 12

02 APR 2011

- वास्तु खण्ड गोमती नगर, लखनऊ (उ०प्र०) - प्रधान: श्री. ए. ए. श्रीवास्तव  
 ब. वीरेन्द्र कुमार यादव पुत्र स्व० जियाऊ प्रसाद निवासी- चिन्ता पोस्ट-पुरसिया, जिला-बस्ती (उ०प्र०) - न्यासी  
 स. श्रीचन्द्र यादव पुत्र श्री राम दान यादव निवासी- मकान संख्या-17/922, इन्दिरा नगर लखनऊ (उ०प्र०) - न्यासी  
 द. श्रीमती सुमन यादव पत्नी श्री जय जय राम यादव निवासी-मकान संख्या-14/567, इन्दिरा नगर लखनऊ (उ०प्र०) - न्यासी  
 य. प्रकाश चन्द्र पुत्र श्री सभू नाथ यादव निवासी- ग्राम कठौता काँ पुरवा विजयनत खण्ड-1 गोमती नगर लखनऊ (उ०प्र०) - न्यासी

न्यासियों की अधिकतम संख्या - तीन तथा न्यूनतम संख्या पांच होगी।

3-

उपरोक्त 1,000/- (ब्यारह हजार रुपया) धनराशि के साथ - साथ सभी धनराशि या संपत्तियों को समग्र - समग्र पर अंशदान, बरिश्दास, हस्तान्तरण या दान इत्यादि किसी व्यक्ति या व्यक्तियों द्वारा मेरे सहित, संस्थानों, निगम, संगठन स्थानीय निकायों या सरकार द्वारा दिया जायेगा और सभी धनराशि

अनीता यादव





# भारतीय गैर न्यायिक



उत्तर प्रदेश

AX 311415

या आमदनी या क्षतिपूर्ति का दावा और सेवा तथा सभी सम्पत्तियों वे चाहें चल हों या अचल सब पर न्यास का आधिपत्य होगा किसी भी परिस्थितियों में न्यास के अलावा अन्य किसी व्यक्ति या न्यासी के व्यक्तिगत या अथवा निजी उपयोग के लिए नहीं होगी। उक्त सम्पत्ति के रख-रखाव के लिए एक न्यास फण्ड होगा और वह न्यासियों में समंभित होगा।

- |    |   |  |
|----|---|--|
| 4- | न्यास का नाम  | पतिराजी चादव मेमोरियल ट्रस्ट           |
| 5- | न्यास का मुख्यालय   | दुकान संख्या- एल0जी0-8,9;<br>जं पी व न |
|    | शापिंगसेन्टर-सी0पी0-10  |  |
|    | विराज खण्ड, गोमती नगर लखनऊ।   |  |
| 6- | न्यास का कार्यक्षेत्र   | सम्पूर्ण भारत                          |
| 7- | इस न्यास का उद्देश्य निम्नलिखित होगा तथा एतद्वारा यह घोषित किया जाता है कि इसमें से कोई भी व्यक्ति लाभ हेतु क्रियाशील नहीं होगा - |  |

(क) मानव मात्र के शान्ति, आनन्दमय, निष्कटक, चिन्तारहित - स्वास्थ्य इहलोक, तथा अध्यात्मिक उन्नति द्वारा अंततः मुक्ति हेतु सभी

अनीता यादव